ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा त्रिदिवसीय मीडिया महासम्मेलन का सफल आयोजन

समाज में बदलाव के लिए साहसपूर्ण कदम उठाये मीडिया

दादी जी के साथ मंच पर ब्र.कु. करुणा, एस.सी. ठाकुर, संजय शर्मा, प्रो. कमल दीक्षित, ब्र.कु. चन्द्रकला तथा अन्य।

शांतिवन। बेहतर विश्व बनाने में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है। यदि मीडियाकर्मियों में ट्रस्टीपन लाया जाए तो मीडिया विश्व बदलाव का बड़ा माध्यम बन सकता है। इसके लिए लोगों को आगे आकर प्रयास करना होगा। निष्पक्ष पत्रकारिता कर पाना एक चुनौतिपूर्ण कार्य है।

उक्त उद्गार न्यूज़ इंडिया चैनल के एडिटर इन चीफ संजय शर्मा ने ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा 'बेहतर विश्व के निर्माण के लिए प्रबुद्ध मीडिया' विषय पर आयोजित मीडिया महासम्मेलन के उद्घाटन सत्र में उपस्थित लगभग पन्द्रह सौ पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का काम प्रश्न उठाना है, ऐसे में मीडिया में साहस होना ज़रूरी है। एक व्यक्ति भी विश्व का परिवर्तन कर सकता है, ये बात प्रजापिता ब्रह्मा साकार कर रहे हैं।

ब्रह्माकुमारी संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि माँ बाप बच्चों को बचपन से ही अच्छे संस्कारों की शिक्षा दें। यदि माँ बाप में भी गुण, विशेषताएं, अच्छी आदतें और श्रेष्ठ संस्कार होंगे तो बच्चों में भी वही संस्कार विकसित होंगे। अच्छी बातों का प्रचार प्रसार मीडिया करे तो समाज में अच्छाई का माहौल बन जायेगा।

मुम्बई से आए नवभारत टाइम्स के सम्पादक सुंदरचंद ठाकुर ने कहा कि मीडिया को अपनी ज़िम्मेदारी समझते हुए समाज को बेहतर बनाने की दिशा में ज़रूरी कदम उठाने होंगे। समाज के आगे आदर्श प्रस्तुत करना होगा।

जयपुर से आये दूरदर्शन के डायरेक्टर डॉ. राजकुमार नायर ने कहा कि कलम ईश्वर से जुड़ने का सशक्त माध्यम है। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा इस पावन भू धरा से समाज को बदलने का कार्य किया जा रहा है जो बहुत ही सराहनीय है। ये ऐसी संस्था है जो माताओं बहनों द्वारा संचालित है, जहां सभी को एकसूत्र में पिरोने का कार्य किया जा रहा है। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को साकार किया जा रहा है।

केन्द्रीय विकास एवं योजना विभाग के उप निदेशक अजय कुमार राय ने कहा कि आज़ादी से लेकर अब तक जो भी बड़े या महान कार्य हुए हैं वह सभी मीडिया के कारण ही संभव हो सके हैं। नए बदलाव में मीडिया सबसे बड़ी कड़ी है।

वरिष्ठ पत्रकार प्रो. कमल दीक्षित ने कहा कि मीडिया ही बदलाव का सबसे बड़ा केन्द्रबिन्दु और माध्यम है। जब पत्रकार आध्यात्मिक रूप से सशक्त, मज़बूत और दिव्य गुणों से ओतप्रोत होगा तो समाज भी उसी अनुसार हो जायेगा क्योंकि मूल्यनिष्ठ समाज का आधार मूल्यनिष्ठ मीडिया है।

ब्रह्माकुमारी संस्था के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि दुनिया भर में अध्यात्म की ज्योति जलाने और लोगों में सकारात्मक परिवर्तन लाने का बीड़ा मीडिया को उठाना होगा। मीडिया से ही अध्यात्म का नारा बुलंद होगा।

ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. करुणा ने कहा कि मीडिया में ही वह ताकत है जो विश्व परिवर्तन का महान कार्य कर सकता है।

ब्र.कु. शीलू ने सभी को राजयोग का अभ्यास कराकर गहन शांति का अनुभव कराया। बैंगलुरु से आईं बालिकाओं ने सुंदर नृत्य की प्रस्तुति दी। जयपुर की ब्र.कु. चन्द्रकला ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

मीडिया से आकांक्षाएँ

- निष्पक्ष पत्रकारिता, एक चुनौतिपूर्ण कार्य
- कलम ईश्वर से जोड़ने का सशक्त माध्यम
- मीडिया बदलाव की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी
- पत्रकार आध्यात्मिक रूप से सशक्त, मज़बूत होकर समाज में लाएं बदलाव
- बेहतर विश्व निर्माण के लिए मीडिया में जगे ट्रस्टीभाव
- समाज के आगे आदर्श प्रस्तुत करे मीडिया

संस्थान में नेशनल कॉन्फ्रेन्स कम मेडिटेशन रिट्रीट

साइंटिस्ट एवं इंजीनियर्स के लिए त्रिदिवसीय सम्मेलन

शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज़ के साइंटिस्ट एंड इंजीनियरिंग विंग द्वारा आयोजित 'नेशनल कॉन्फ्रेन्स कम मेडिटेशन रिट्रीट' का उद्घाटन संस्थान की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने किया। इसमें भारत सहित नेपाल से आठ हज़ार से अधिक साइंटिस्ट, इंजीनियर्स व टेक्नीशियन पहुंचे।

संस्थान की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि राजयोग के अभ्यास से जीवन सुखमय बनेगा। इसके गवाह लाखों भाई-बहनें हैं।

गुरूग्राम से आये हीरो साइकिल प्राइवेट लिमिटेड के ऑपरेशन वाइस प्रेसीडेंट आर.के. रतन ने अपना अनुभव बताते हुए कहा कि राजयोग मेडिटेशन से मेरे अंदर पहले की अपेक्षा सकारात्मकता बढ़ी है।

गुजरात भाजपा प्रदेश उपाध्यक्षा रमीला बारा ने कहा कि वर्तमान समय को देखते हुए आज सभी को मेडिटेशन की बहुत ज़रूरत है। मेडिटेशन से हमारा मन शांत होता है।

राउरकेला एन.एस.पी.सी.एल. के ए.जी.एम. ब्र.कु. अरुणा साहू ने कहा कि मैं अपने अनुभव से कह सकता हूँ कि राजयोग मेडिटेशन हमारे जीने के नज़रिए को बदल देता है। संस्थान के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि एक परमात्मा के अतिरिक्त दूसरा कोई मन की सच्ची शांति प्रदान नहीं कर सकता है।

दादी जानकी के साथ दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का उद्घाटन करते अतिथिगण एवं वरिष्ठ ब्रह्माकुमार भाई।

साइंटिस्ट एंड इंजीनियर्स विंग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. मोहन सिंघल ने कहा कि यहां के आध्यात्मिक वातावरण का आप सभी पूरी तरह से लाभ लें। साथ ही कॉन्फ्रेन्स के दौरान जो खुश रहने के सीक्रेट वक्ताओं द्वारा दिये जा रहे हैं, उनको अपने जीवन में धारण करें।

मुम्बई से आये मोटिवेशनल स्पीकर एवं ट्रेनर प्रो. ब्र.कु. स्वामीनाथन ने कहा कि खुशी हमारी निजी पूंजी है। अगर ठान लो तो कोई दूसरा आपको दुःखी नहीं कर सकता है।

नेपाल से आये वॉटर सप्लाई प्रोजेक्ट के एक्ज़ीक्युटिव डायरेक्टर सूर्यराज कदेल ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान लोगों को बदलने का महान कार्य कर रहा है। यहां के वातावरण में अद्भुत शक्ति का अनुभव होता है।

बैंगलुरु के कलाकारों ने दी आकर्षक प्रस्तुतिः बैंगलुरु से आए विदूषी पनिमाला एवं विदवन राजूभाई ग्रुप के कलाकारों ने आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति के माध्यम से सभी अतिथियों का स्वागत किया। मधुर वाणी ग्रुप के कलाकारों ने सुंदर गीत की प्रस्तुति दी। संचालन गांधीनगर गुजरात की ब्र.कु. मेघा ने किया।

इस दौरान विंग के नेशनल कोऑर्डिनेटर जवाहर मेहता, एक्ज़ीक्युटिव मेम्बर नरेन्द्र पटेल ने भी अपने विचार व्यक्त किये। वहीं डायमण्ड हॉल में एक ज्ञानवर्धक एवं आकर्षक 'हैल्लो हैप्पीनेस' फेयर का भी आयोजन किया गया। जहां कॉन्फ्रेन्स के प्रतिभागियों ने पहुंचकर जीवन में खुशी लाने के सीक्रेट को समझा। इसमें बहुत ही खूबसूरती से साइंस के चमत्कारों को स्पीरिचुअलिटी के माध्यम से दिखाया गया था।

किसान अभियान के द्वारा दी शाश्वत खेती की सीख

इंदौर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा सम्पूर्ण भारत के किसानों की समृद्धि एवं कम लागत में अधिक उत्पादन हेतु शाश्वत यौगिक खेती की जानकारी देने के लिए 'किसान सशक्तिकरण अभियान' का शुभारंभ किया गया। इस अभियान के लिए छः रथों का निर्माण किया गया है जो विभिन्न प्रदेशों के बहत्तर रथ यात्रियों के साथ मालवा सहित प्रदेश के अन्य जिलों के ग्रामों में एक मास तक किसानों को आंतरिक सशक्तिकरण के साथ सार्थक परिवर्तन के कारगर उपाय बताएंगे।

दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. सरला, ब्र.कु. राजू, प्रभाग के अन्य सदस्य व आमंत्रित अतिथिगण।

उद्घाटन अवसर पर कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्षा ब्र.कु. सरला ने कहा कि देश में कई स्थानों पर किसानों व वैज्ञानिकों तथा अनुसंधानकर्ताओं की देखरेख में जो प्रयोग किए गए हैं, उनके परिणाम अभूतपूर्व हैं, जिनके आधार पर कहा जा सकता है कि यह एक बड़ी क्रान्ति का आगाज़ है।

प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. राजू ने संस्था के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग की गतिविधियों पर बताया कि संस्था ने व्यसनमुक्ति तथा आध्यात्मिक शक्ति से सम्पन्न सशक्त किसान के माध्यम से सम्पूर्ण गांवों को पूरी तरह से परिवर्तित करने का सपना संजोया है, जो देश में अनेक स्थानों पर सच साबित हो रहा है। उन्होंने बताया कि कोल्हापुर के कुछ किसानों ने अपने खेतों में बिना रासायनिक खाद के अपने योग के प्रकम्पनों के आधार पर जो परिणाम प्राप्त किये हैं, उन्हें अब शाश्वत यौगिक खेती के रूप में देश के कृषि विश्वविद्यालयों ने भी स्वीकार किया है।

प्रत्येक व्यक्ति प्रेरित होगा, तभी विकास संभव होगा

यू.एस.ए.। युनाइटेड नेशन्स में आयोजित 67वें दो दिवसीय डी.पी.आई. एन.जी.ओ. कॉन्फ्रेन्स के दौरान आयोजित पैनल डिस्कशन में ब्रह्माकुमारीज़ की यू.एन. रीप्रेज़ेन्टेटिव ब्र.कु. गायत्री नारायणे ने 'हाउ टू चेंज द वर्ल्ड' यूज़िंग कन्टेम्प्लेटिव डिसीप्लिन्स इन द सर्विस ऑफ पीस, जस्टिस एंड ह्युमन राइट्स' विषय पर सम्बोधित किया। इस पैनल में डेबोरा नॉरिस,पी.एच.डी.,फाउण्डर ऑफ द माइंडफुलनेस सेंटर तथा रोबर्ट पेरी,एस्क्वायर,श्री राम चन्द्र मिशन भी शामिल रहे। इस पैनल को सुगम बनाने में डेनिस स्कॉटो, एस्क्वायर,चेयर,इंटरनेशनल डे ऑफ योगा कमेटी टू द यू.एन. तथा रैपर्टर पेट्रा स्वेज़र,पी.एच.डी.,प्रोफेसर ऑफ कम्पैरेटिव लिटरेचर ने अपना सहयोग दिया।

इस दौरान आयोजित इंटरनेशनल डायलॉग में शामिल हुए ब्रह्माकुमारीज़ की यू.एन. रीप्रेज़ेन्टेटिव सविता गीर, फ्रान्सेस जैनोएद्दीन,इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एजिंग तथा जदाया स्पेन्सर,इंटरनेशनल यूथ लीडरशिप इंस्टीट्यूट। इस छोटे से ग्रुप ने पीढ़ियों के बीच की दूरी को भरने के बारे में विचार विमर्श किया। इससे यह निष्कर्ष सामने आया कि ये अति आवश्यक है कि युवाओं को आज जिन मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है, उसपर हम ध्यान दें, हालांकि हम व्यस्कों के मुद्दों को भी नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते। अधिकतर मामलों में युवा एवं व्यस्क एक समान परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं जैसे कि आर्थिक , स्वास्थ्य सम्बंधी, शिक्षा, भोजन, नौकरी इत्यादि। इन समस्याओं से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति के सहयोग की आवश्यकता है। सभी को के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि यदि प्रत्येक व्यक्ति कुछ करने को प्रेरित नहीं होगा, तो विकास संभव नहीं है। यदि मानव अपने आत्मा की ज्योति जगाये एवं पूरी शक्ति के साथ सभी के सहयोग से कार्य करे तो सब संभव है एवं किसी भी लक्ष्य को प्राप्त

इस अभियान का समर्थन करना चाहिए। यदि हम बदलाव चाहते हैं तो हमें अपनी सोच को बड़ा करना होगा जन्म से मृत्यु तक।

- **पचास देशों से दो हज़ार लोग हुए शरीक**
- **एक खास स्थान रखा गया था : यूथ हब**
- **खूबसूरत नाटक के साथ हुआ समापन**

ब्रह्माकुमारीज़ के युवा भाई बहनों ने एक प्रदर्शनी द्वारा यू.एन. के विकास के मुद्दों पर प्रत्येक व्यक्ति के सहयोग की आवश्यकता किया जा सकता है। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज़ की ब्र.कु. जुलिया ग्रिंडन-वेल्च, ब्र.कु. किन्नारी मुर्ति तथा ब्र.कु. प्रमिती शाह के साथ अन्य ब्र.कु. भाई बहनें उपस्थित रहे।

पचास देशों से लगभग दो हज़ार लोग इस कार्यक्रम में शरीक हुए। इस दो दिवसीय सम्मेलन में युवाओं के लिए एक खास स्थान रखा गया था - यूथ हब।

कार्यक्रम का समापन एक बहुत ही खूबसूरत नाटक के साथ हुआ, जिसमें कन्याओं की समस्याओं के बारे में बताया गया और कहा गया कि बालिकाओं एवं महिलाओं की आवाज़ को सुना जाना चाहिए।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SRO/9623/18-20, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2018-20, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd Oct 2018
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं अमर उजाला प्रेस द्वारा मुद्रित।